HD-05

June - Examination 2019

B.A. Pt. III Examination

आधुनिक काव्य

Paper - HD-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 70**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$7 \times 2 = 14$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) आधुनिक काल में हिन्दी साहित्य में ब्रज भाषा का स्थान किस बोली ने ग्रहण कर लिया?

(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने आधुनिक काल को क्या नाम दिया था?

(iii) मुक्तिबोध द्वारा रचित दो लंबी कविताओं के नाम लिखिए।

(iv) 'नाटक जारी है' शीर्षक लंबी कविता के रचनाकार कौन हैं?

(v) महाकाव्य और खण्डकाव्य में दो अन्तर बताइए।

(vi) मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित दो खण्डकाव्यों के नाम लिखिए।

(vii) ''धन्ये मैं पिता निरर्थक था, कुछ भी तेरे हित कर न सका'' इन काव्य–पंक्तियों के रचनाकार का नाम लिखिए।

(खण्ड – ब) **4 × 7 = 28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों मे परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2) ब्रिटिश नीतियों का हिन्दी–साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा? सतर्क उत्तर दीजिए।

3) आधुनिक काल में महाकाव्यों की तुलना में लंबी कविताओं का महत्व बढ़ने के कारणों की व्याख्या कीजिए।

4) 'परिवर्तन' कविता में वर्तमान के प्रति गहरा असंतोष व्यक्त हुआ है।' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

5) 'सरोज स्मृति' कविता के आधार पर निराला की 'विद्रोह–धर्मिता' पर टिप्पणी कीजिए।

6) 'ब्रह्मराक्षस' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

7) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''बिना दुख के सब सुख निस्सार
बिना आँसू के जीवन भार
दीन दुर्बल है रे संसार
इसे दे दया, क्षमा औ प्यार।
आज का दुख कल का आह्लाद

और कल का सुख आज विषाद
समस्या स्वप्न गूढ़ संसार
पूर्ति जिसकी उस पार।

8) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

धीरे–धीरे फिर बढ़ा चरण
बाल्य की केलियों का प्रांगण
कर पार, कुंज–तारुण्य सुघर
आई लावण्य भार थर–थर
काँपा कोमलता पर सस्वर
ज्यों मालकोश नव–वीणा पर
नैश स्वप्न ज्यों तू मन्द–मन्द
फूटी उषा जागरण छंद।।

9) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''मौन रहो और प्रतीक्षा करो
मौन रहो और प्रतीक्षा करो।
यह मंत्र दोहराता–दोहराता
मैं नाव से उतरता हूँ
और बिना उसकी ओर देखे
तेजी से इन इमारतों की बगल से
गुजर जाता हूँ
जिन पर 'सत्यमेव जयते' को खरोंच कर
लिखा हुआ है : सब चलता है
दिल्ली की इन सडकों पर।''

(खण्ड – स) $2 \times 14 = 28$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आपका उत्तर 500 शब्दों में परिसीमित होना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10) खण्डकाव्य की विशेषताओं के आधार पर 'प्रवाद पर्व' का मूल्यांकन कीजिए।

11) 'दो चट्टानें' कविता के प्रतिपाद्य का व्यापक विश्लेषण कीजिए।

12) 'कुआनो नदी' कविता के अनुभूति तथा अभिव्यंजना पक्ष की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

13) लम्बी कविता को परिभाषित करते हुए इसकी परम्परा और विकास पर एक लेख लिखिए।